NEWS CLIPPINGS

पत्रिका

FRIDAY

ग्रामीणों को काम नहीं मिलेगा तो अपराध करेंगे ही

बची रकम खर्चने दौड़ लगाएंगे विधायक

आदिवासियों को जमीन दें व पढ़ाएं

पीपुल्स संवाददाता ● इंदौर
news.indore@peoplessamachar.co.in

राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग की उपाध्यक्ष अनुसूइया उइके की अध्यक्षता में शुक्रवार को कमिश्नर कार्यालय सभाकक्ष में आदिवासियों की समस्याओं के संबंध में बैठक आयोजित की गई। बैठक में सुश्री उइके ने अधिकारियों से कहा कि वे आदिवासियों के कल्याण के लिए स्वस्फूर्त चेतना से काम करें। उन्होंने कहा कि विस्थापित आदिवासियों को पूरे देश में जमीन के बदले जमीन दी जानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि जमीन ही आदिवासियों की पहचान है। उनकी सभ्यता, संस्कृति, खानपान और तीज-त्योहार सब जमीन से जुड़े हुए हैं। आदिवासियों को धन से ज्यादा जमीन से लगाव है। वे एकांकी जीवन के बजाय सामूहिक जीवन जीना पसंद करते हैं।

उन्होंने विस्थापितों की समस्या हल करने और उनके बच्चों की शिक्षा ठीक से करने के निर्देष दिए। इस मौके पर एनवीडीए प्रमुख रेणु पंत, बड़वानी कलेक्टर तेजस्वी नायक, उपायुक्त सपना शिवाले, आजाक उपायुक्त बीजी मेहता आदि मौजूद थे।

र पत्रिका
patrika
इंदौर, शुक्रवार 03 मार्च 2017
ी . धामनोद . धरमपुरी . सरदारपुर . राजगढ़ . मनावर . गंधवानी . बाग . मांडव

FRIDAY
37°C @12.00pm
15°C @09.00pm
सूर्योदय सुबह 06:24 बजे
सूर्यास्त शाम 06:46 बजे

public Governance
सुप्रीम कोर्ट ने जीने और जन्म के अधिकार के तहत एक महिला को मानसिक व्याधि से ग्रसित उसके 26 सप्ताह का गर्भ गिराने की अनुमति देने से इनकार कर दिया। इसे आप किस रूप में लेते हैं?
हमारे फेसबुक पेज पर जाएं और विस्तार से अपनी राय रखें
//www.facebook.com/Patrikamadhyapradesh/
पत्रिका

ग्रामीणों को काम नहीं मिलेगा तो अपराध करेंगे ही

भूतिया-जामंदा पहुंचा दल, राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग की उपाध्यक्ष अनुसुईया उईके ने कलेक्टर, एसपी से कहा, अपराधियों को मुख्य धारा से जोड़ने पर करें काम

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

जिला पंचायत एसीईओ कक्ष में बयान दर्ज करते आयोग के सदस्य।

धार. हम गांव गए, हमने देखा गांव में बिजली नहीं, स्कूल है तो शिक्षक नहीं आते, आंगनवाड़ियों में बच्चों की देखरेख नहीं, लोगों के पास काम नहीं...। ऐसे में वे परंपरागत अपराध से जुड़े, तो बड़ी बात नहीं...। राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग की उपाध्यक्ष अनुसुईया उईके ने पत्रिका से चर्चा में कहा कि पुलिस ने गांव से अपराधियों को पकड़ने की हिम्मत दिखाई, लेकिन उन्हें अपराध करने से रोकने के लिए मुख्य धारा से जोड़ना जरूरी है। उईके ने कलेक्टर श्रीमन शुक्ला तथा एसपी बीके सिंह से कहा कि आपराधिक पृष्ठ भूमि के लोगों से सरेंडर करवाकर और उन्हें रोजगार से जोड़कर समाज की मुख्य धारा में लाने का प्रयास करें। पिछले दिनों टांडा थाना क्षेत्र के भूतिया-जामंदा गांव में पुलिस की सर्चिंग की कार्रवाई को आयोग ने हिम्मत का काम बताते हुए पुलिस की प्रशंसा की। दो दिन से आयोग का एक दल गांव व जिला मुख्यालय पर भूतिया गांव के संबंध में जांच कर रहा था। गुरुवार को आयोग की उपाध्यक्ष उईके ने कहा कि गांव में अधिकतर आपराधिक पृष्ठभूमि के लोग रहते हैं, जिनके पुलिस रिकॉर्ड भी है और उन्हें गिरफ्तार करने के लिए पुलिस गांव गई थी। पुलिस पर दुराचार के आरोप पर उईके ने संबंधित विभाग या सरकार को प्रतिवेदन सौंपने की बात कहते हुए बयान देने से मना कर दिया। इससे पहले बुधवार को आयोग के सदस्यों ने भूतिया गांव में पीड़ितों के बयान दर्ज कर साक्ष्य जुटाए। पुलिस द्वारा गांव से जब्त मोटरसाइकिलों को लेकर गांव वालों ने आयोग बताया कि उनकी ही गाड़ियां उठाकर पुलिस इन्हें चोरी की बता रही है, जबकि रजिस्ट्रेशन के दस्तावेज भी आयोग के समक्ष प्रस्तुत किए गए। इस पर आयोग उपाध्यक्ष ने पुलिस अधीक्षक के सामने कागज लेकर उपस्थित होने के निर्देश दिए। धार पहुंचे आयोग के 4 सदस्यीय दल में उईके के अलावा केके कमोर (डायरेक्टर नई दिल्ली), आरके दुबे (डायरेक्टर भोपाल) तथा आयोग के भोपाल संभागीय कार्यालय में अनुसंधान अधिकारी के पद पर पदस्थ दीपिका खन्ना शामिल रहीं। गुरुवार को आयोग सदस्यों ने कुछ और मामलों पर भी सुनवाई की व संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। भूतिया मामले में आयोग ने एडिशनल एसपी डॉ. राय सिंह नरवरिया, अजय सिंह आदि से भी बयान लिए। आयोग उपाध्यक्ष उईके ने पत्रिका से कहा कि जो लोग चोरी का माल खरीदते हैं उन पर भी सख्त कार्रवाई होना चाहिए। यदि कोई चोरी का माल ही नहीं खरीदेगा तो अपराधों में कमी आएगी।

जांच में स्टार्म लाइन का

निरीक्षण : भूतिया के भ्रमण के बाद आयोग उपाध्यक्ष ने अधिकारियों से कहा

क्यों नहीं जोड़ पाए मुख्य धारा से, कहां हैं सुविधाएं

बिजली, स्कूल, आंगनवाड़ी की सुविधाओं के लिए दी चार माह की लिमिट

धार। नईदुनिया प्रतिनिधि

राष्ट्रीय अनुसूचित जन-जाति आयोग की उपाध्यक्ष अनुसुइया उईके ने गुरुवार को यहां जिला अधिकारियों से चर्चा करके ग्राम भूतिया के आसपास के क्षेत्र में विकास संबंधी कार्य करने के लिए कहा है। 4 माह में यहां स्कूल, आंगनवाड़ी, बिजली से लेकर अन्य कई सुविधाओं के मामले में व्यवस्थाएं ठीक करने के लिए कहा है। आयोग का कहना है कि अब इन लोगों को मुख्यधारा में लाने के प्रयास होना चाहिए। वहीं पुलिस भी अपना व्यवहार इस तरह का रखें जिससे कि आदिवासी लोगों में भय नहीं रहे। दोनों के बीच संबंध सहयोगात्मक रहें।

आयोग की उपाध्यक्ष उईके ने पहले तो जिले के अधिकारियों की बैठक लेकर उन्हें कई मामलों में फटकार भी लगाई। उन्होंने कहा कि आयोग द्वारा यह पाया गया कि ग्राम भूतिया में कई सारी कमियां हैं। स्कूल भवन है लेकिन वहां टीचर नहीं आते। आंगनवाड़ी भवन और व्यवस्थाओं का अभाव है। इस तरह के कई विषयों पर उन्होंने कलेक्टर श्रीमन शुक्ला से लेकर अन्य अधिकारियों को चर्चा कर व्यवस्था बनाने के लिए कहा।

भूतिया की घटना पर रिपोर्ट होगी तैयार

इधर उपाध्यक्ष उईके ने मीडिया से चर्चा में कहा कि हिंदुस्तान के 12 करोड़ अनुसूचित जन-जाति लोगों के लिए आयोग काम कर रहा है। यह एक संवैधानिक रूप से गठित आयोग है इसलिए आदिवासियों की रक्षा-सुरक्षा करना हमारा दायित्व है। पीड़ित हम तक शिकायत लेकर पहुंचता है तो उस पर सुनवाई करते हैं। भूतिया में भी हमने सभी लोगों से चर्चा की। महिलाओं से लेकर अन्य वर्ग से फिलहाल मीडिया को यह नहीं बताया जा सकता कि क्या निष्कर्ष रहा है। इसके लिए आयोग अपनी व्यवस्था अनुसार रिपोर्ट तैयार करेगा और फिर उसे सौंपेगा।

जिला पंचायत स्थित एक कमरे में भी उपाध्यक्ष उईके ने संबंधितों से चर्चा की।

अपराधी नहीं बने रहने देंगे

इधर महत्वपूर्ण रूप से उपाध्यक्ष ने कहा कि आदिवासी अंचल के भूतिया सहित अन्य गांव के लोग परंपरा से ही अपराध करते आ रहे हैं। वे लोगों को मार कर उनसे चीजें छीन लेते हैं। इस तरह की आदतन प्रवृत्ति को खत्म करना होगा। इसके लिए हमने अधिकारियों को कहा है कि वे विशेष रूप से ध्यान दें। भूतिया गांव में 175 लोग वारंटी है। ऐसे में वहां पर सभी अपराधी नहीं लेकिन जो लोग अपराधी है उनके लिए सुधार बहुत जरूरी है।

पैसे निकाल लेते हैं, नहीं बनाते मकान

इधर आयोग की उपाध्यक्ष उईके ने बताया कि हमने विभाग से चर्चा की है। इसमें गांव में बिजली नहीं होने से लेकर स्कूल में टीचर नहीं आने के बारे में चर्चा की है। यहां पर बड़ी संख्या में पढ़ने वाले बच्चे हैं। हमें यह जानकारी मिली है कि आवास योजना के तहत इन्हें पैसे दिए जाते हैं लेकिन वे आवास बनाते ही नहीं। अधिकारी भी इस मामले में डरते हैं।

जो सामान खरीदते हैं उन पर कार्रवाई

आयोग की उपाध्यक्ष उईके ने इस पूरे मामले में महत्वपूर्ण रूप से कहा है कि जो लोग चोरी का सामान [illegible] अपराध पर वैसे भी नियंत्रण हो सकता है। पुलिस को इसके लिए विशेष रूप से हिदायत दी गई है। आयोग की उपाध्यक्ष ने एसपी वीरेंद्र सिंह से भी विशेष रूप से चर्चा की और घटना की जानकारी ली।

ये अनुशंसा करेंगे

उपाध्यक्ष उईके ने महत्वपूर्ण रूप से कहा कि यहां बच्चों के लिए छात्रावास होना चाहिए। बेरोजगार लोगों को रोजगार मिले इस दिशा में भी कार्य होना चाहिए। पानी सिंचाई आदि के लिए भी व्यवस्था होना जरूरी है। हम अपनी तरफ से जो अनुशंसा कर रहे हैं उसको लेकर कलेक्टर ने भरोसा दिलाया है कि आगामी चार माह में व्यवस्थाएं ठीक होंगी। पुलिस अधीक्षक से कहा गया है कि वे भी अपने आरक्षकों के व्यवहार को लेकर निगरानी रखें, क्योंकि कभी-कभी पुलिस के निचले अधिकारियों के व्यवहार के कारण ही आदिवासी अपराध करते हैं। इस कारण पुलिस और जनता के बीच एक सकारात्मक व्यवहार हो।

एसपी को दिया धन्यवाद

इधर उपाध्यक्ष ने पुलिस अधीक्षक द्वारा साहस दिखाकर गांव में पहुंचकर वारंटी लोगों को पकड़ने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि जो आपराधिक तत्व के लोग हैं उनके कारण गैर अपराधी लोग भी परेशान होते हैं। उन्होंने कहा कि इसलिए जरूरी है कि इस दिशा में भी सोचा जाए। इस गांव में पुलिस पर हमला होता है। पूर्व में भी हमला हो चुका है। आम लोगों पर भी हमले की स्थिति बनती है।

सरेंडर करवाने के भी हों प्रयास

आयोग उपाध्यक्ष उईके ने यह भी कहा कि जो आरोपी है उनके लिए आम लोगों यानी भूतिया के गैर अपराधी लोगों से भी अपेक्षा की है कि ऐसे लोगों को सरेंडर करवाने में मदद करें। हमें उम्मीद है कि पुलिस और जनता के बीच से इस तरह की दिक्कतें दूर होंगी। आयोग अपनी अनुशंसाएं जो करेगा उस पर लगातार निगरानी भी करेगा। जिस पर किसी तरह की दिक्कत न हो।

प्रशासन ने यह दिया जवाब

कलेक्टर ने आयोग की उपाध्यक्ष को बताया कि जल्द ही जामदा भूतिया में जिला स्तरीय लोक कल्याण शिविर लगेगा। पात्र हितग्राहियों को चयनित कर शासन की योजनाओं का लाभ दिया जाएगा। शिक्षित बेरोजगारों को रोजगार देने के लिए भी कहा गया है। गांव में बिजली पहुंचाने का प्रयास जारी है। कार्यपालन यंत्री विद्युत वितरण को निर्देश भी दिए गए हैं। स्कूल व आंगनवाड़ी भवन के लिए भी कार्य करवाए जाएंगे।

करेंगे भाजपा नेता

[illegible]

मामला झाबुआ जिले की पुलिस का अकारण घर में घुसने का

[illegible]

राष्ट्रीय अजजा आयोग की उपाध्यक्ष ने भूतिया में की महिलाओं से चर्चा

धार। नईदुनिया प्रतिनिधि

टांडा थाने के ग्राम भूतिया में बुधवार को राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग की उपाध्यक्ष अनूसुइया उइके पहुंची और उन्होंने वहां पर महिलाओं से चर्चा की। बंद कमरे में महिलाओं से घटनाक्रम के बारे में पूछताछ की। उसके बाद वे लोगों के घर भी पहुंची और वहां पर हुई घटना की जानकारी ली।

गौरतलब है कि 25 जनवरी को ग्राम भूतिया में 125 पुलिसकर्मियों के माध्यम से अपराधिक तत्वों को पकड़ने के लिए कार्रवाई की थी। उसके बाद देर शाम को पुलिस पर दुष्कर्म व लूटपाट करने के आरोप लगाए थे। इस मामले में उधा स्तर पर शिकायत किए जाने के बाद में पहले राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने आकर जांच की।

बुधवार को राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग की उपाध्यक्ष अनूसुइया उइके पहुंची और उन्होंने महिलाओं से बंद कमरे में चर्चा की। आयोग की अध्यक्ष ने इस गांव में बिजली और स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर चिंता जाहिर की है। बंद कमरे में क्या चर्चा हुई है इसका लेकर अभी तक कोई विवरण नहीं मिला है।

भूतियाा में महिलाओं के बीच राष्ट्रीय अजजा आयोग की उपाध्यक्ष।

आयोग की उपाध्यक्ष ने देखी व्यवस्था

धार। नईदुनिया प्रतिनिधि

राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति की उपाध्यक्ष अनूसुइया उईके ने धार प्रवास के दौरान कमला नेहरू आदिवासी कन्या छात्रावास का आकस्मिक निरीक्षण किया। सहायक आयुक्त आदिवासी ब्रजेश पांडे ने बताया कि उपाध्यक्ष उईके ने छात्रा में डायनिंग रूम, भोजन कक्ष तथा छात्राओं द्वारा दीवारों पर उकेरी गई चित्रकृतियों व रंगोली का अवलोकन किया। उपाध्यक्ष उईके ने छात्रावास की साफ-सफाई, अच्छे वातावरण तथा बागवानी की प्रशंसा की।